



ਦਾਊਦ 1





परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों का राजा होना चाहा।

यहोवा उनसे चाहता था कि वे मार्गदर्शन और सुरक्षा के लिए उसकी ओर देखें।



परमेश्वर ने उन्हें मिस्र में निकालकर प्रतजिजा के देश में पहुँचाने के लिए महान और अवशिवसनीय आश्चर्यकरम करिए।



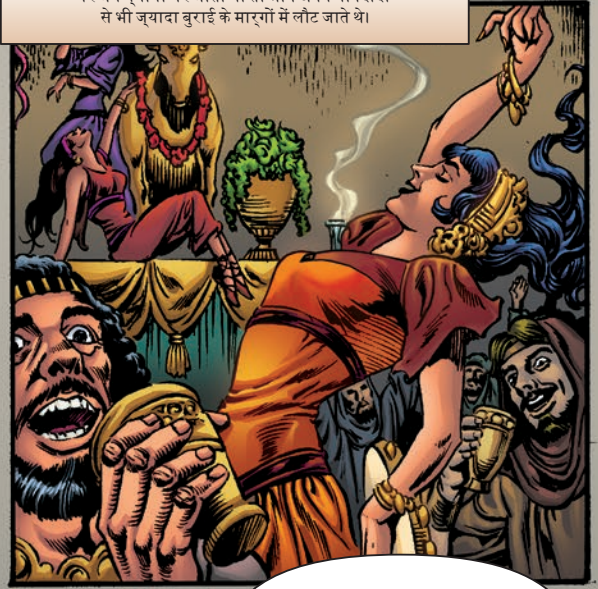
प्रतजिजा के देश में बसने के बाद परमेश्वर ने उन्हें शत्रुओं के हाथों से छुड़ाने के लिए न्यायियों को खड़ा किया।





परमेश्वर ने जब भी एक न्यायी को खड़ा किया परमेश्वर उस न्यायी के साथ रहा और जब तक वह न्यायी जन्मिदा रहा परमेश्वर ने इस्राएलियों को उनके शत्रुओं के हाथों से बचाया।

पर जब न्यायी मर जाता था तो लोग अपने बापदादों से भी ज्यादा बुराई के मार्गों में लौट जाते थे।



यदि तुम सम्पूर्ण हृदय के साथ परमेश्वर की ओर फरिते हो तो अन्य देवताओं और अशतोरत के देवताओं को तुम्हारे बीच से दूर करो और समर्पति करो अपने आपको यहोवा की ओर फेरो और केवल उस की सेवा करो, और वह तुम्हे पलशितियों के हाथों से छुड़ाएगा।

लगभग 1050 ईसा पूर्व परमेश्वर ने शमूएल नामक एक महान न्यायी को खड़ा किया। उसने यह संबोधित किया।



शमूएल ने दशकों तक इस्राएल के लोगों की सेवा की परन्तु जब वह बूढ़ा हुआ, उसने अपने पुत्रों को इस्राएल पर न्यायियों के रूप में ठहराया।



परन्तु उसके पुत्र दुष्ट थे और उसकी राहों पर नहीं चले।



वे बेईमानी से फायदे कमाते, घूस लेते और न्याय बगिड़ते थे।





तुम नही जानते
तुम क्या माँगते हो।

यदि तुम चुनते
हो कि परमेश्वर तुम
पर राज्य न करे
बल्कि एक राजा करे--

--वह यही करेगा--



वह तुम्हारे पुत्रों
को ले लेगा और उन्हें
उसके रथों और घोड़ों
के काम पर रखेगा।

और वह कतिनों को हजारों
के ऊपर सेनापति ठहरायेगा
और कतिनों को पचास पचास के
ऊपर सेनापति ठहरायेगा।...

और कुछ लोग उसके खेत
की जुताई करेंगे और उसकी
फसल काटेंगे।



वह तुम्हारी बेटियों
को लेकर उनसे सुगंध द्रव्य
और रसोई और रोटियों
बनवाएगा।



वह तुम्हारे बीज और
दाख की बारियों से दसवाँ
अंश लेकर अपने हाकमों
और करमचारियों को देगा।



जब वह दनि आएगा
तो तुम उस राजा से
आराम पाने के लिए रोओगे।
जसि तुमने चुना है...

...और उस दनि
परमेश्वर तुम्हें
उत्तर नहीं देगा।



नहीं!

हम एक
राजा
चाहते हैं।

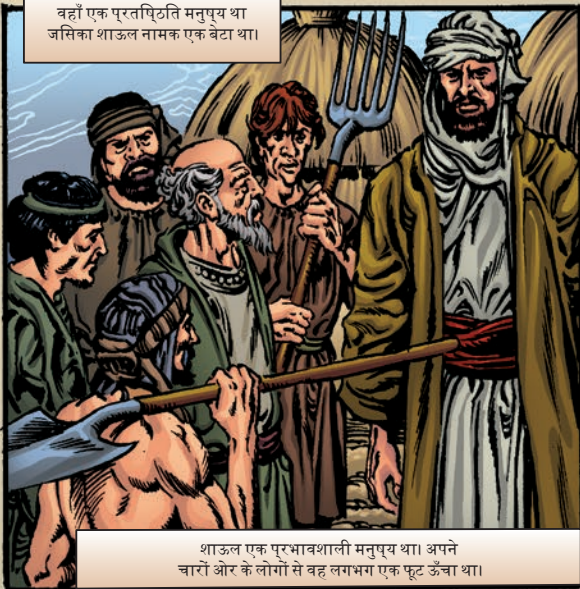
तब हम एक राजा के साथ
अन्य सभी देशों के समान बन जायेंगे जो
हमारी अगुवाई करे और जो हमारे आगे चले
और हमारा युद्ध लड़े



जो लोगों ने कहा उसे दोहराते
हुए शमूएल ने प्रभु से
दुबारा प्रार्थना की।

"उनकी सुन
और उन्हें एक
राजा दे दो।"

वहाँ एक प्रतपिठति मनुष्य था
जिसका शाऊल नामक एक बेटा था।



शाऊल एक प्रभावशाली मनुष्य था। अपने
चारों ओर के लोगों से वह लगभग एक फूट ऊँचा था।

एक दिन,
शाऊल के पिता
के गदहे भटक
गए।



शाऊल और उसके पिता के सेवकों में से एक ने गदहे को ढूँढने की
कोशिश में पहाड़ी देश और आसपास के नगरों की यात्रा की।

देख, इस नगर में परमेश्वर
का एक जन है; जो अत्यंत
प्रतपिठति है और जो कुछ
वह कहता है वह हो
जाता है सच।

हम उस मनुष्य को क्या दें?
हमारा भोजन समाप्त
हो गया है। उस व्यक्त को
देने के लिए हमारे पास कोई
भेंट भी नहीं है।



हमारे
पास क्या है?

देखो, मेरे पास
चाँदी के एक शेकेल का
एक चौथाई भाग है।



यहाँ
भवपियवक्ता
है क्या?

वह है, वह
ठीक तुम्हारे
आगे है।

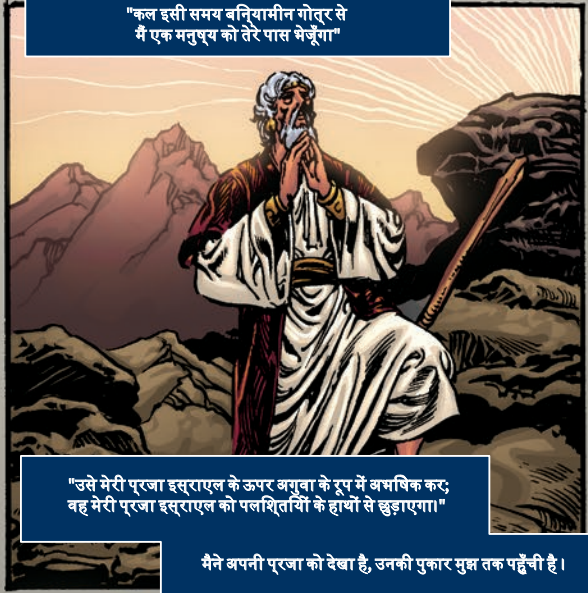
अब जल्दी कर; वह आज हमारे नगर में आया है,
क्योंकि लोगों ने ऊँचे स्थान पर एक
बलदान चढ़ाया है।



ऊँचे स्थान में जाने से पहले तुम
उसे पा लोगे। जब तक वह न आ जाये
लोग खाना शुरू नहीं करेंगे क्योंकि उसे
बलदान को आशीर्षित करना है।



परन्तु इस दिन से
पहले ही प्रभु ने शमूएल
को तैयार कर दिया था।



"कल इसी समय बनियामीन गोत्र से
मैं एक भनुष्य को तेरे पास भेजूंगा"

"उसे मेरी प्रजा इस्राएल के ऊपर अगुवा के रूप में अभिषिक्त कर;
वह मेरी प्रजा इस्राएल को पलशियों के हाथों से छुड़ाएगा।"

मैंने अपनी प्रजा को देखा है, उनकी पुकार सुन्न तक पहुँची है।



यह वह भनुष्य है जिसके दण्डों में मैंने कहा।
वह मेरी प्रजा पर राज्य करेगा।

क्या आप कृपया करके बता
सकते हैं कि भवपियवक्ता
का घर कहाँ है ?

मैं एक
भवपियवक्ता
हूँ।



शमूएल ने परमेश्वर के नरिदेशों को माना और शाऊल को इस्राएल के प्रथम राजा के रूप में अभिषिक्त किया।



शाऊल का अभिषिक्त करने के बाद शमूएल ने इस्राएल के लोगों को एक आकस्मिक अंतिम वरिदाई के भाषण के लिए एकत्रित किया।



तुमने जो कुछ भी मुझसे कहा मैंने सुना और तुम पर एक राजा को नियुक्त किया।

यह राजा - अब तुम्हारा नेता है।

यदि तुम प्रभु का भय मानो और उसकी सेवा करो और उसकी सुनो और उसकी आज्ञाओं का वरिध न करो, और यदि दोनों तुम और तुम पर राज्य करने वाला राजा तुम्हारे परमेश्वर के पीछे चलो तो यह अच्छा है!

परन्तु यदि तुम प्रभु की आज्ञाओं को न मानो और यदि उसकी आज्ञाओं का वरिध करो, उसका हाथ तुम्हारे वरिद्ध खड़ा होगा जैसा यह तुम्हारे पूर्व पतिओं के वरिद्ध था।

अपने भाषण की समाप्ति पर शमूएल ने परमेश्वर को पुकारा, और उसी दनि प्रभु ने गर्जन और वर्षा भेजी।



अतः सभी लोग परमेश्वर पर और शमूएल पर आश्चर्य करने लगे।

शाऊल ने राजपद को अपनाया और साथ ही साथ समस्याओं को भी।

हे राजा - खबरें सच हैं। पलथिली हमारे वरिद्ध डकट्टे हो रहे हैं। समुद्र के तीर के बालू के कनिकों के समान पलथिली सेना डकट्टे हो रहे हैं। और उनके साथ हमने 3000 रथों को गिना है।

हे राजा, तुम्हें कुछ करना होगा। पुरुषों ने डर के कारण छपिना शुरु कर दिया है। कुछ तो गाद और गलिगाल की ओर भागने के लिए यरदन नदी पार कर चुके हैं।

परन्तु शमूएल ने उसके आने तक इंतजार करने को कहा। इस बड़ी सेना से लड़ने से पहले हमें परमेश्वर के सममुख एक बलदान चढ़ाना चाहिए।

लेकिन हे राजा, वह यहाँ नहीं है और हमें कार्य करना अवश्य है।

तुम सही कह रहे हो। एक राजा को अवश्य नरिणय लेना चाहिए। मैं आगे जाऊँगा और बलदान चढ़ाऊँगा।

परन्तु हे राजा - तू प्रभु का एक याजक नहीं है! और शमूएल ने सात दनिों तक इंतजार करने को कहा है।

कभी कभी मामलों को तुम्हें खुद अपने हाथों में लेना होगा।

राजा शाऊल ने आज्ञा मानने के बजाय भय के साथ प्रतिक्रिया की।



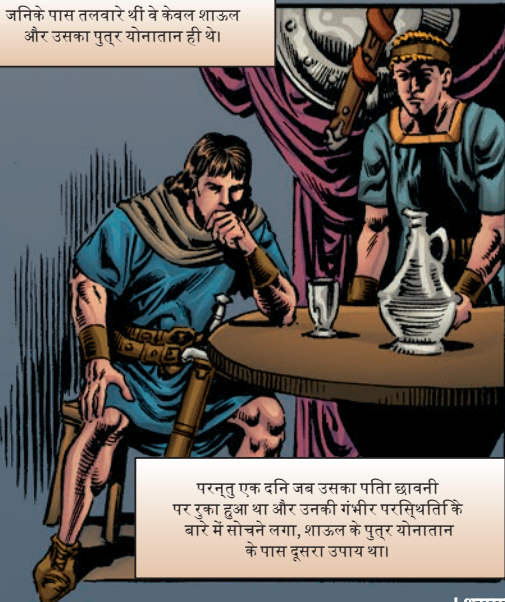


पलशितियों ने लगातार देश पर आक्रमण किया, इब्रियों के बीच में लोहार होने नहीं दिया ताकि वे तलवार और भाला बनाने न पाए।



इब्रियों को पलशितियों के पास अपने हलों, कुल्हाड़ियों, फालों और हंसुओं को धार देने के लिए जाना पड़ा।

जनि के पास तलवारे थी वे केवल शाऊल और उसका पुत्र योनातान ही थे।



परन्तु एक दिन जब उसका पिता छावनी पर रुका हुआ था और उनकी गंभीर परस्थिति के बारे में सोचने लगा, शाऊल के पुत्र योनातान के पास दूसरा उपाय था।

आ, हम उन खतनारहति लोगों की चौकी के पास जाएँ। क्या जाने यही वा हमारे पक्ष में काम करे। चाहे बहुत से या थोड़े से, छुटकारा देने के लिए यही वा कोई भी रोक नहीं सकता।



जो कुछ तेरे मन में हो, वही कर, आगे बढ़; मैं पुरे मन और पूराण के साथ तेरे संग हूँ।

पलशितियों की चौकी चट्टानों के टीलों पर थी
जसिके नकिस द्वार से ऊँचाई से देखा जा सकता था।

उत्तम स्थिति के साथ इस चौकी को
हटाने के लिए एक सेना चाहिए होती।

हम उनके पास से गुजरेंगे और अपने को उन्हें दिखाएँगे।
यदि वे हमसे कहें, हमारे आने तक इंतजार करो,
तब जहाँ पर हम हैं वही रुके रहेंगे और उनके पास
ऊपर नहीं चढ़ेंगे।

परन्तु यदि वे हमसे कहें,
'हमारे पास ऊपर चढ़ आओ, हम
चढ़ जायेंगे, क्योंकि वह हमारे
लिए एक चनिह होगा कियहोवा
ने उन्हें हमारे हाथों में दे दिया है।

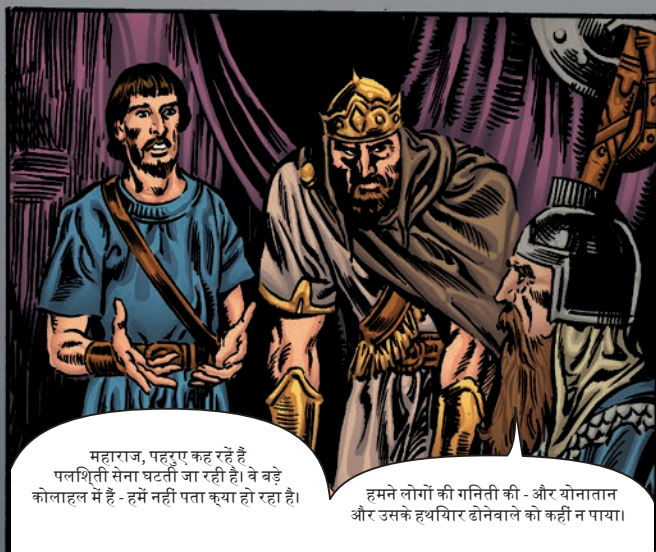
आगे बढ़ो - मैं पुरे मन और
प्राण के साथ तेरे संग हूँ।

देखो! इबुरी लोग उन बलियों में से जहाँ
वे छपि हुए थे, नकिल आते हैं।

हमारे पास चढ़
आओ और हम तुमको
एक सबक सिखाएँगे।



और पूरी सेना में घबराहट हुई - वे जो छावनी में और बाहर थे और जो चौकीवाले थे और जो आक्रमण करने वाले थे - यह परमेश्वर द्वारा भेजी गई एक घबराहट थी।





वह मधु सोने से भी बेहतर दिखाई पड़ता है।

हे मूरख, इसे मत दू।

राजा की आज्ञा का उल्लंघन करने पर तुम्हें अपने जीवन की कीमत चुकानी होगी।



हौ - मधु मुझे बल देने के लिए है - हमारे बच्चे हुए शत्रुओं को पार नकालने के लिए।

युद्ध के बाद यह पाया गया कथिनातान ने अनजाने में कुछ मधु खा लिया। शाऊल अपने ही पुत्र को आज्ञा का उल्लंघन करने के लिए मारने के लिए तैयार हो गया परन्तु सपिाही और कर्मचारी बीच में आ गए।



क्या योनातान को मारना चाहिए - जो इस्राएल में यह बड़ा छुटकारा लाया है? कभी नहीं!

जैसे यहोवा जीवित है, उसके सिर का एक बाल भी भूमि पर गिरने न पाएगा, क्योंकि उसने आज परमेश्वर की सहायता से यह किया है।

और सपिाही राजा पर प्रवल हो गए उसके पुत्र को बचाने के लिए।

कुछ समय बाद शमूएल ने शाऊल को परमेश्वर से पाए स्पष्ट नरिदेश को दिया -
अमालेकियों को मार क्योंकि उन्होंने कैसे इस्राएल के लोगों का सामना
किया जब वे मसिर से बाहर आ रहे थे।



शाऊल ने अमालेकियों पर आक्रमण करके उन्हें पराजित
किया परंतु जो बोला गया था उसका उल्लंघन करते हुए उसने
उनके राजा और सबसे अच्छे पशुओं को जीवित छोड़ दिया।



शमूएल शाऊल राजा पर भड़का और उससे कहा कि जैसे उसने
परमेश्वर के वचन को त्याग दिया वैसे ही परमेश्वर ने भी
उसे इस्राएल का राजा होने के लिए त्याग दिया है।

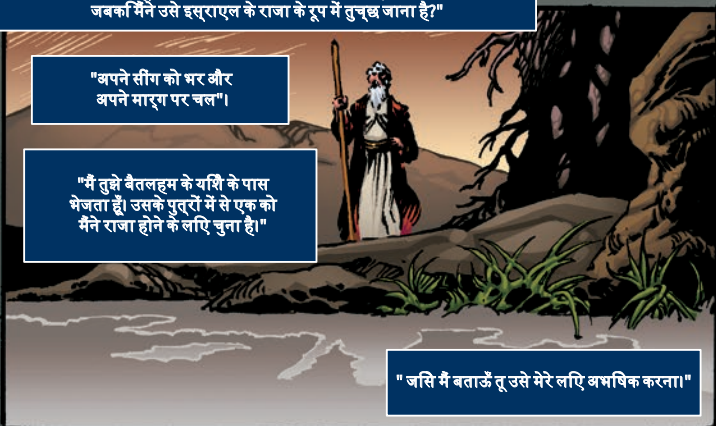


शमूएल वापस अपने घर चला गया और राजा शाऊल को
दुबारा न देखा यद्यपि वह उसके लिए शोक करता रहा।

"तू कब तक शाऊल के लिए शोक करता रहेगा,
जबकि मैंने उसे इस्राएल के राजा के रूप में तुच्छ जाना है?"

"अपने सींग को भर और
अपने भार पर चल।"

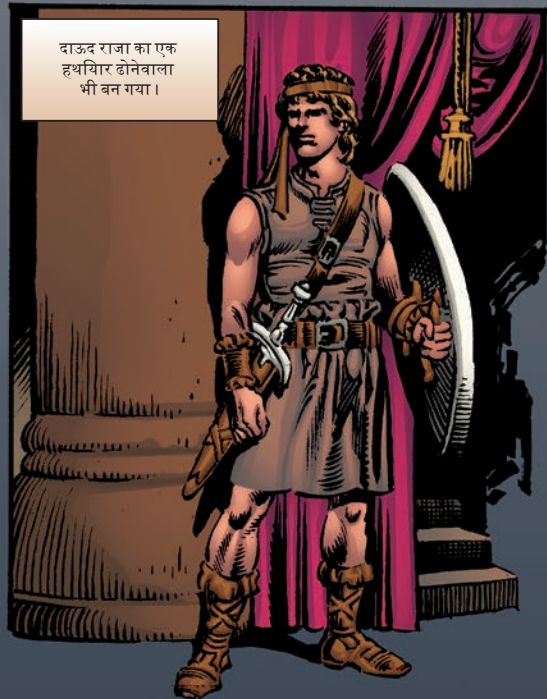
"मैं तुझे बैतलहम के यशे के पास
भेजता हूँ। उसके पुत्रों में से एक को
मैंने राजा होने के लिए चुना है।"



"जिस मैं बताऊँ तू उसे मेरे लिए अभिषिक्त करना।"

बैतलहम नगर में, शमूएल ने यशे से कहा कि वह अपने सभी लड़कों को उसके सामने लाए।





पलश्तियों के सोको नामक इस्राएल के नगर में इकट्ठा होने के तुरंत बाद,
इस्राएली एला नामक तराई में इकट्ठे हुए और वहाँ डेरा डाला।

पलश्ती ने एक पहाड़ पर कब्जा किया और इस्राएली ने दूसरा।



गतवासी गोलयित नौ फूट ऊँचा था।



जो कवच उसने पहना
हुआ था वह 125 पाउंड था।

उसके भाले की छड़ जुलाहे की डोंगी के समान
थी और उस भाले के फल ही का वजन 15 पाउंड था।

वह बलिकुल
अजेय लग रहा था।

परन्तु इस्राएल के शत्रु एक गुप्त हथियार लिए थे।



प्रतदिनि वह बाहर आता और इस्राएली सेना को
ललकारने और चुनौती देने लगता।

तुम यहाँ आकर क्यों
युद्ध के लिए पॉर्त बाँधे हो?

क्या मैं पलशित्ती
नहीं हूँ और तुम शाऊल
के दास नहीं हो?

एक पुरुष को चुनो
कि वह मेरे पास
उतर आए।

यदि वह मुझसे लड़कर मुझे मार सके,
तब हम तुम्हारे अधीन हो जाएँगे;
परन्तु यदि मैं उस पर प्रबल होकर
उसे मारूँ, तो तुम हमारे अधीन होकर
हमारी सेवा करोगे।

दाऊद के पति, यशि ने दाऊद के द्वारा उसके भाइयों और सहस्रपतियों के लिए खाना भेजा।
दाऊद को भेजा गया कबिह जाकर देखे कि उसके भाई कैसे आगे बढ़ रहे हैं।



आज के दिन मैं
इस्राएलियों को
ललकारता हूँ!

मुझे एक व्यक्ति दो और
हम एक दूसरे से लड़ेंगे।

यह खतनारहति पलशित्ती कौन है जो
जीवति परमेश्वर की सेना को ललकारे?



परन्तु दाऊद का बड़ा भाई बहुत क्रोधित हुआ जब उसने उसे ऐसी बातें कहते सुना।

तु यहाँ क्यों आया है?
और जंगल में उन थोड़ी
सी भेड़ों को किसके पास
छोड़ आया है?

तेरा अभिमान और मन की बुराई
मुझे पता है; तु तो केवल नीचे
लड़ाई को देखने यहाँ आया है।



क्या मैं
बोल भी नहीं
सकता?

उस व्यक्ति के लिए क्या होगा जो
इस पलशित्ती को मार डाले और
इस्राएल की नदि को दूर करे?



राजा शाऊल स्वयं उसे बहुत
धन देगा और अपनी बेटी का
विवाह उससे कर देगा।

जब यह सूचना राजा के पास पहुँची,
दाऊद शाऊल के पास लाया गया।

इस पलश्विती के कारण
किसी मनुष्य का मन कच्चा
न हो; तेरा दास जाकर
उससे लड़ेगा।

तु जाकर उस पलश्विती के विरुद्ध
युद्ध नहीं लड़ सकता; क्योंकि तू
केवल एक लड़का ही है, और वह तो
अपनी जवानी से ही योद्धा रहा है।

तेरा दास अपने
पति की भेड़ बकरियों
को चराता था।

"और जब कोई सहि
या भालू झुण्ड में से मेमना
उठा ले जाता, तब मैं
उसका पीछा करके उसे
मारता, और मेमने को
उसके मुँह से छुड़ा लेता।"

"जब वह मुझ पर
हमला करता,
तब मैं उसके बालों
को पकड़कर उसे
मार डालता था।"



जब गोल्थित ने दाऊद को
देखा उसने उसकी नदिा की।

क्या मैं कुतुता हूँ, कति
लाठी लेकर मेरे पास आया है ?

तुमहारा इब्री
परमेश्वर श्रापति हो।

इधर आ - और मैं तेरे श्रापति
मांस को आकाश के पक्षियों
और वनपशुओं को दे दूँगा!

तू तो तलवार और भाला और
साँग लिए हुए मेरे पास आता है,
परन्तु मैं सर्वशक्तमान परमेश्वर
के नाम से तेरे पास आता हूँ, जो
इस्राएली सेना का परमेश्वर है,
जसि तू ने ललकारा है।

आज के दनि यहोवा तुझे मेरे हाथ में कर देगा और मैं तुझे मार डालूँगा और तेरा सरि तेरे धड़ से अलग कर दूँगा।

आज के दनि पलशित्ती सेना के शव आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के जीव जंतुओं को दे दूँगा, और पृथ्वी के समस्त लोग जान लेंगे कि इस्राएल में एक परमेश्वर है।

यहाँ इकट्ठे हुए समस्त लोग जान लेंगे कि यहोवा तलवार या भाले के द्वारा जयवंत नहीं करता; क्योंकि युद्ध यहोवा का है; और वह तुम सबको हमारे हाथ में कर देगा।

वह पलशित्ती दानव दाऊद के समीप आने लगा परन्तु दाऊद उसकी ओर दौड़ा।









जब पलशितियों ने देखा कि उनका नायक मारा गया, वे पीछे मुड़े और भागने लगे। तब इस्राएल और यहूदा के लोग ललकार के साथ उनके शहरों के प्रवेश द्वार तक उनका पीछा करते गए।



इस्राएलियों ने पलशितियों के डेरे को लूट लिया



परन्तु दाऊद ने उस पलशिती के हथियारों को अपने डेरे में रख लिया और उस दानव के सरि को यरूशलेम को ले गया।









"THE BIBLE EXPLAINED
IN EVERY LANGUAGE."



SUPERBIBLE.TV